



NCERT Solutions for Class 7 Hindi Chapter 2

**1. लेखक को अपनी दादी माँ की याद के साथ-साथ बचपन की और किन-किन बातों की याद आ जाती है?**

**उत्तर:-** जब लेखक को मालूम हुआ कि दादी माँ की मृत्यु हो गयी है तो उनके सामने दादी माँ के साथ बिताई गई कई यादें सजीव हो उठती हैं। उसे अपने बचपन की स्मृतियाँ-गंधपूर्ण झाग भरे जलाशयों में कूदना, बीमार होने पर दादी का दिन-रात सेवा करना, किशन भैया की शादी पर औरतों द्वारा किए जानेवाले गीत और अभिनय के समय चादर ओढ़कर सोना और पकड़े जाना साथ ही उसे रामी चाची की घटना भी याद आ जाती हैं।

**2. दादा की मृत्यु के बाद लेखक के घर की आर्थिक स्थिति खराब क्यों हो गयी थी?**

**उत्तर:-** दादा की मृत्यु के पश्चात् लेखक के घर की आर्थिक स्थिति खराब होने का कारण उनके पिताजी व भैया द्वारा धन का सही उपयोग न किया जाना था। ग़लत मित्रों की संगति से सारा धन नष्ट कर डाला। दादा के श्राद्ध में भी दादी माँ के मना करने पर भी लेखक के पिताजी ने अपार संपत्ति व्यय की।

**3. दादी माँ के स्वभाव का कौन सा पक्ष आपको सबसे अच्छा लगता है और क्यों?**

**उत्तर:-** दादी माँ के स्वभाव का सेवा, संरक्षण, परोपकारी व सरल स्वभाव आदि का पक्ष हमें सबसे अच्छा लगता है। दादी माँ मुँह से भले कड़वी लगती

थी परन्तु घर के सदस्यों तथा दूसरों की आर्थिक मदद के लिए हर समय तैयार रहती थी। रामी चाची का कर्ज माफ़ कर उसे नकद रूपए भी दिए ताकि उसकी बेटी का विवाह निर्विघ्न संपन्न हो जाए। इन्हीं के कारण ही वे दूसरों का मन जीतने में सदा सफल रहीं।

4. आपने इस कहानी में महीनों के नाम पढ़े, जैसे -  
क्वार, आषाढ़, माघ। इन महीनों में मौसम कैसा  
रहता है, लिखिए।

**उत्तर:-** क्वार - इस महीने में न तो अधिक गर्मी और न ही अधिक सर्दी होती है अर्थात् हल्की-हल्की ठंड रहती है। आमतौर पर मौसम साफ़ रहता है।  
आषाढ़ - वैसे यह मौसम वर्षा का होता है परन्तु इस महीने वर्षा न हो तो गर्मी बढ़ जाती है।  
माघ - इस महीने में अत्यधिक सर्दी होती है।

5. 'अपने-अपने मौसम की अपनी बातें होती हैं' -  
लेखक के इस कथन के अनुसार यह बताइए कि किस  
मौसम में कौन-कौन सी चीज़ें विशेष रूप से मिलती  
हैं?

**उत्तर:-** क्वार के महीने में तरबूज, खरबूज, फालसे और लीची मिलते हैं।  
आषाढ़ के महीने में आम, जामुन और खीरा मिलते हैं।  
माघ के महीने में अंगूर, केले, अमरुद और गुड़ मिलते हैं।

• भाषा की बात

6. नीचे दी गई पंक्तियों पर ध्यान दीजिए -

जरा-सी कठिनाई पड़ते

अनमना-सा हो जाता है

सन-से सफेद

समानता का बोध कराने के लिए सा, सी, से का

प्रयोग किया जाता है।

ऐसे पाँच और शब्द लिखिए और उनका वाक्य में प्रयोग कीजिए।

**उत्तर:-** 1.नीला-सा : आकाश नीला-सा हो गया है।

2.रुई-से : नानीजी के बाल रुई-से सफ़ेद हो गए थे।

3.मिश्री-सी : बाल कृष्ण की बातें गोपियों को मिश्री-सी लगती थीं।

4.चाँद-सा : उसका चेहरा चाँद-सा गोल है।

5.सागर-सी : उसकी आँखों में सागर सी गहराई है।

7. कहानी में 'छू-छूकर ज्वर का अनुमान करतीं, पूछ-पूछकर घरवालों को परेशान कर देतीं' - जैसे वाक्य आए हैं। किसी क्रिया को ज़ोर देकर कहने के लिए एक से अधिक बार एक ही शब्द का प्रयोग होता है। जैसे वहाँ जा-जाकर थक गया, उन्हें ढूँढ़-ढूँढ़कर देख लिया।

इस प्रकार के पाँच वाक्य बनाइए।

**उत्तर:-** 1.बच्चे अपने उत्तरों को बोल-बोलकर याद कर रहे थे।

2.उस नन्हें बच्चे की शरारतों को देख-देखकर हम थक गए थे।

3.ज़ोर-ज़ोर से चिल्लाकर तुम क्या साबित करना चाहते हो?

4.बार-बार उसके उस सवाल से हम तंग आ गए थे।

5.पुलिस ने अपराधी को पीट-पीटकर अधमरा कर दिया।

8. बोलचाल में प्रयोग होनेवाले शब्द और वाक्यांश 'दादी माँ' कहानी में हैं। इन शब्दों और वाक्यांशों से पता चलता है कि यह कहानी किसी विशेष क्षेत्र से संबंधित है। ऐसे शब्दों और वाक्यांशों में क्षेत्रीय बोलचाल की खूबियाँ होती हैं। उदाहरण के लिए - निकसार, बरहमा, उरिन, चिउड़ा, छौँका इत्यादि शब्दों को देखा जा सकता है। इन शब्दों का उच्चारण अन्य क्षेत्रीय बोलियों में अलग ढंग से होता है, जैसे - चिउड़ा को चिड़वा, चूड़त्र, पोहा और इसी तरह छौँका को छौँक, तड़का भी कहा जाता है। निकसार, उरिन और बरहमा शब्द क्रमशः निकास, उकृण और ब्रह्मा शब्द का क्षेत्रीय रूप हैं। इस प्रकार के दस शब्दों को बोलचाल में उपयोग होनेवाली भाषा/बोली से एकत्र कीजिए और कक्षा में लिखकर दिखाइए।

**उत्तर:-** काहे, बंदा, किरपा, कार-परोजन, लचमन, आपा, भनक, घना, बटेऊ आदि।

\*\*\*\*\* END \*\*\*\*\*